अकथ गाथा नारी की

डॉ. प्रिया शर्मा | डॉ. आरती वाजपेयी | डॉ. सुनीता अवस्थी

अकथ गाथा नारी की

डॉ. प्रिया शर्मा
डॉ. आरती वाजपेई
डॉ. सुनीता अवस्थी

प्रस्तुतकर्ता
डॉ. संदीप अवस्थी

राज पब्लिशिंग हाउस
जयपुर

प्रकाशक :

किरण परनामी

राज पब्लिशिंग हाउस

44, परनामी मंदिर, गोविन्द मार्ग, जयपुर–302004

Cell : 09414051782

Email : shreerajpublishing@gmail.com

अकथ गाथा नारी की

© डॉ. प्रिया शर्मा

© डॉ. आरती वाजपेई

© डॉ. सुनीता अवस्थी

प्रस्तुतकर्ता : डॉ. संदीप अवस्थी

International Standard Book No. (ISBN)

978-93-91777-93-7

संस्करण : 2023

पुस्तक वितरण क्षेत्राधिकार : सम्पूर्ण भारत

पुस्तक प्रकाशन में सम्पूर्ण सावधानी बरती गई है। फिर भी किसी त्रुटि, कमी अथवा लोप का रह जाना मानवीय भूल के कारण संभव हो सकता है। पुस्तक में प्रकाशित लेख के विचारों हेतु सम्पादक एवं प्रकाशक की कोई जिम्मेदारी नहीं हैं।

मुद्रक

ट्राईडेन्ट एन्टरप्राइजेज, दिल्ली

विषयानुक्रमणिका

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
	मेरी बात	(i)
	भूमिका	(iii)
1. डॉ प्रिया शर्मा	कुसुम खेमानी की कहानियों में स्त्री पात्र	1
2. सुमन पांडेय	सहज योग विज्ञान की संस्थापक परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी	8
3. नीरज पटेल	नारी मात्र की अजस्त्रप्रेरणा स्त्रोतस्विनी : मनस्विनी सीता	11
4. अपूर्वा दीक्षित	सुषमा स्वराज : एक सशक्त राजनेता	18
5. सुरेश बाबू मिश्रा	नारी जागरण एवं नारी सशक्तीकरण की प्रवर्तक लक्ष्मीबाई केलकर	21
6. सरोज मिश्रा	मेहरुन्निसा परवेज के कथा साहित्य में मनोवैज्ञानिक सन्दर्भ में नारी अस्मिता	25
7. राजपाल शोधार्थी	पुष्पिता अवस्थी के साहित्य में मानवीय मूल्य	34
8. ई. अर्चना नायडू	देवी अहिल्या : एक तपस्विनी	42
9. सरोज बोरकर	भारत की प्रथम शिक्षिका मातो श्री सावित्रीबाई फुले समाज सुधारिका एवं कवयित्री	48
10. डॉ. अर्चना डेनियल	स्नेह ठाकुर : प्रवासी साहित्यकार का हिंदी भाषा के प्रसार में योगदान	55

1

कुसुम खेमानी की कहानियों में स्त्री पात्र

डॉ. प्रिया शर्मा*

स्त्री ही मुख्य आधार है जिस पर भारतीय समाज और संस्कृति की अवधारणा टिकी हुई है। समाज में स्त्री और पुरुष दोनों का अपना वजूद और अस्तित्व है। कहानी जगत में कुसुम खेमानी का नाम सम्मान के साथ लिया जाता है। इनकी कहानियां समाज को नई दिशा प्रदान करती हैं। भारतीय संस्कृति और विदेशी संस्कृति की टकराहट के साथ–साथ स्त्री की अस्मिता उसकी मुक्ति आदि के प्रश्न अलग–अलग रूपों में उजागर हुए हैं। इनकी कहानी की पात्र सरला 'संघर्ष तराशा कोहेनूर' समस्याओं को झेलती हुई स्वयं की पहचान के लिए संघर्ष करती है। सरला के चरित्र की विशेषताएं इस प्रकार हैं –

- वह भाव एवं सृजन प्रधान है।
- मुहावरेदार भाषा पर उसकी अच्छी पकड़ है।
- वह सच्ची मित्र है।
- कोर्ट में वह एक अच्छी वक्ता है।
- अपने माता–पिता की आज्ञाकारी बेटी है।
- सरला ने कोर्ट में साबित किया कि बेटी बेटों से अधिक संवेदनशील है।
- गुरुजन प्रेम केंद्र की स्थापना करती है।
- दयालु एवं उदार हृदय है।
- सरला अपने माता–पिता की आज्ञाकारी बेटी है। समय आने पर अपने सगे

---

* सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश